



PUNJAB KESARI

जेरसी बोस विश्वविद्यालय में अब शोधार्थियों को मिलेगी प्रति माह 35,000 रुपए फेलोशिप

फरीदाबाद, 30 जुलाई (पूजा शर्मा): अनुसंधान और स्टार्ट-अप को बढ़ावा देने के जे.सी.बोस विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, वाईएमसीए, फरीदाबाद के प्रयासों को एक बड़ा प्रोत्साहन मिला है। विश्वविद्यालय को 'अखिल भारतीय तकनीकी शिक्षा परिषद' (एआईसीटीई) ने 'एआईसीटीई डॉक्टोरल फेलोशिप (एडीएफ)' योजना के तहत सोन्टे आवर्टिट की है। अकादमिक संस्थानों तथा सहयोगात्मक अनुसंधान को बढ़ावा देना और तकनीकी अनुसंधान के लिए प्रतिभाओं को पोषित करने के उद्देश्य से एआईसीटीई ने देशभर में 26 तकनीकी विश्वविद्यालयों को आवर्टिट कुल 300 सीटें आवर्टित की हैं, जिसमें विश्वविद्यालय को सात सोन्टे मिली हैं।

इस संबंध में जानकारी देते हुए कुलपति प्रो. दिनेश कुमार ने कहा कि

एआईसीटीई ने डॉक्टोरल फेलोशिप योजना के तहत आवर्टिट की सीटें

इस योजना के तहत सीटों के आवंटन से तकनीकी अनुसंधान और नवाचार को बढ़ावा देने के लिए विश्वविद्यालय द्वारा किये जा रहे प्रयासों को बल मिलेगा। विश्वविद्यालय द्वारा शोध को बढ़ावा देने के लिए, कई कदम उठाए हैं, जिसमें रिसर्च प्रोफेशन वोर्ककार, अनुसंधान परियोजनाओं के लिए संकाय सदस्यों को सीड मनो देना, हाई-साइटेड इंडिकेस के शोध जनल में शोध पत्र प्रकाशन को बढ़ावा देने के लिए पुस्कार नीति, प्रमुख अनुसंधान प्रयोगशालाओं और उद्योगों के साथ समझौते तथा 6 करोड़ रुपये से अधिक को लगात के तहत अनुसंधान उपकरणों की खरीद शामिल हैं। हाल

देश के 26 तकनीकी संस्थानों को आवर्टिट हुई है 300 सीटें

विश्वविद्यालय को गिला 7 सीटें

नई प्रौद्योगिकी के उभरते क्षेत्रों में अनुसंधान के लिए दी जाएगी फेलोशिप

इन क्षेत्रों को किया गया शामिल

योजना के अंतर्गत शोध के लिए जिन प्रमुख क्षेत्रों को शामिल किया गया है, उनमें मीन टेनालीजी, बिग डेटा, मशीन लर्निंग, डेटा साइंस, व्हाइक वेन, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, एनर्जी प्रौद्योगिकी एंड स्टोरेज, डिलेवर्योनेक्स एंड फोटोनिक्स, न्यूरिलायर इंजीनियरिंग एंड एलाइड टेक्नोलॉजीज, रोबोटिक्स और मेट्रोनिक्स, ऑग्मेटिड रियलिटी वर्क्स एंड एलाइड रियलिटी, एनर्जी एफिशियल्स, रिन्फ़्रेक्शल व सररेनेवल एनर्जी, इलेक्ट्रिक और हाइब्रिड मोबाइलीटी, स्मार्ट सिटीज, हाइसिग एंड ट्रासपोर्टेशन, डिटरेनेट और शिःस, 3डी प्रिंटिंग, क्लाटम के घटिंग, कृषि तथा खाद्य उद्योग के लिए स्मार्ट टेक्नोलॉजी, जल शोधन, सरक्षण और प्रबंधन, पलिक पौलिनी, सामाजिक और सगटनात्मक मनोविज्ञान और व्यवहार और साइबर सिक्योरिटी जैसे उपर्युक्त तकनीक के क्षेत्र शामिल हैं।

ही में विश्वविद्यालय द्वारा विद्यार्थियों के प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से एक इनोवेटिव अइडिया तथा स्टार्ट-अप को इन्वॉवेशन सेल की स्थापना की है।

3 साल के लिए होनी फेलोशिप

योजना के अंतर्गत विद्वित क्षेत्रों में शोध के लिए विश्वविद्यालय द्वारा याहिल शोधकर्ताओं को तीन साल की अवधि के लिए फेलोशिप प्रदान की जाएगी, जिनका कार्यकाल प्रदर्शन के आधार पर विश्वविद्यालय की स्फीरिश पर एक वर्ष तक बढ़ाया जा सकता है। शोध कार्य के लिए वर्षानीत शोधार्थी को एकले दो वर्षों के लिए 31,000 रुपये प्रति माह और तीसरे वर्ष के लिए 35,000 रुपये प्रति माह की फेलोशिप, सरकार के मानदंडों के अनुसार हाउस रेट अलाउस (एचआर) और आकस्मिक खर्चों के लिए 15,000 रुपये प्रति वर्ष अनुदान के रूप में मिलेंगे। फेलोशिप के तहत चयनित रिसर्च स्कॉलर के लिए चयन के एक वर्ष के भीतर पीएचडी में पंजीकरण करवाना अनिवार्य होगा।

पंजाब के सर्वानुसारी

Fri, 31 July 2020

है-पेपर Edition: faridabad kesari, Page no. 3



PIONEER

शोधार्थियों को मिलेगी 35 हजार रुपये तक की फेलोशिप

एआईसीटीई ने डॉक्टोरल फेलोशिप योजना के तहत आवंटित की सीटें

देशभर में 26
टाकानीकी
विश्वविद्यालयों कुल
300 सीटों में से सात
की है आवंटित

प्राविष्ठानिक समाचार सेवा। अंगीकार

अनुसंधान और स्टार्ट-अप को
बढ़ाव देने के बारे में विज्ञान एवं
प्रौद्योगिकी, विश्वविद्यालय,
वाइंसोरिंग, कठीदावाद के प्रशासनीय
को एक बड़ा प्रोत्साहन मिला है।
कहा कि इस योजना के तहत सीटों के

लकड़ीकी शिक्षा विभाग
(एआईसीटीई) ने 'एआईसीटीई
डॉक्टोरल फेलोशिप (एडीएफ)'

योजना के तहत सीटें आवंटित की हैं।
अकादमिक संस्थानों तथा ऊर्जा के
विवर सहायताकारक अनुसंधान को
बढ़ाव देना और टाकानीकी अनुसंधान
के लिए प्रतिवर्षीय को प्रोत्साहन करने
के लिए एआईसीटीई ने देशभर में



अनुसंधान और स्टार्ट-अप को
बढ़ाव देने के बारे में विज्ञान एवं
प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालयों को
आवंटित कुल 300 सीटों आवंटित
की है, जिसमें विश्वविद्यालय को सात
सीटें मिली हैं। हाँ योग्य में जानकारी
देने सुने कृत्तियों प्रेरित कुमार ने
कहा कि इस योजना के तहत सीटों के

आवंटित से टाकानीकी अनुसंधान और
विवाचार को बढ़ावा देने के लिए

अधिक जीवी लागत के जलत अनुसंधान
उपकरणों की खोजी शामिल है।
योजना के अंतर्गत विज्ञान योजना में
शोध के लिए विश्वविद्यालय द्वारा
दायित शोधकर्ताओं को तीन साल
की अवधि के लिए फेलोशिप प्रदान
की जाएगी। जिनका कार्यालय इन्होंने
के आधार पर विश्वविद्यालय की
विपरीती पर एक वर्ष तक बढ़ावा जा
सकता है। शोध कार्य के लिए
विश्वविद्यालय द्वारा जिन्हें जा रहे
प्रशासनों को बल मिलेगा। शोध पर² बढ़ावा देने के
विश्वविद्यालय द्वारा शोध को बढ़ावा
देने के लिए लाई कदम उठाए हैं,
जिसमें विश्वविद्यालय को साथ
प्रोग्रामों और लड़ोंगों के नाम
उपलब्ध कराने के लिए एक वर्ष के
समाप्ति तथा 6 करोड़ रुपये से

अलाइंस (एचआरए) और
आकाशमक खर्चों के लिए 15,000

रुपये प्रति वार्षिक अनुदान के रूप में
मिलेंगे। फेलोशिप के जलत चारों वर्ष
विसर्चन स्कॉलर के लिए चारों वर्ष
एक वर्ष के लिए प्रोत्साहन योग्य
प्रतीकारण करवाया जाना चाहिए।
योग्य कोई उम्मीदवार एक वर्ष तक
वीएसटी में प्रौद्योगिकी करवाने में
विभक्त रहता है तो तो प्रौद्योगिकी के
लिए प्रौद्योगिकी होने तक फेलोशिप
वर्ष कर दी जायेगी। फेलोशिप के
लिए विधिवत पात्रता मानदंड के
अनुसार, उम्मीदवार को आयु 30
वर्ष से कम होनी चाहिए।